सुखदेव (आयु 48, गोरखपुर मानमिन चर्च, भारत)

जब मैं 13 वर्ष का था, तब मैं अंधकार की शक्ति से जकड़ा हुआ था और मुझे सप्ताह में दो या तीन बार दौरे पड़ते थे, और फिर मैं पूरी तरह से, एक अलग ही व्यक्ति बन जाता था। इससे मुझे हर समय भारीपन और थका हुआ महसूस होता था, सिर दर्द और आंखों में जलन होती थी। मुझे हमेशा दौरे पड़ने का डर रहता था, इसलिए मैं आराम से बाहर नहीं जा पाता था। मेरे उच्च रक्तचाप के कारण, मैं अक्सर दूसरों से झगड़ता था, और मेरा अपने परिवार के साथ अक्सर झगड़ा होता था। मैं न तो पढ़ पाता था और न ही सामान्य जीवन जी पाता था। मैं लगभग एक दर्जन बार ओझाओं के पास गया और घर के आसपास के सभी मंदिरों में भी गया, लेकिन उससे मुझे कोई मदद नहीं मिली। जब मैं इन दर्दनाक दिनों से गुज़र रहा था, तो प्रभु ने सबसे पहले अपना हाथों को मेरी ओर बढ़ाया। गोरखपुर मानमिन

चर्च की एक बहन के प्रचार के माध्यम से, मैं अगस्त, 2021 में मानमिन के साथ जुड़ गया। मैंने परमेश्वर के वचन के अनुसार प्रभु के दिन को पवित्र माना और क्रूस पर प्रभु के प्रेम को जाना। मैंने अपने बीते समय के लिए पश्चाताप किया और ईश्वरीय चंगाई सभा के लिए तैयारी की। 13 सितंबर को, मैंने GCNTV HINDI के माध्यम से ईश्वरीय चंगाई सभा में भाग लिया और जब डा. सुजिन ली ने सामर्थ्य के रूमाल के द्वारा प्रार्थना की (प्रेरितों 19:11–12) तब मुझे अपने शरीर पर गर्मी महसूस हुई। उसके बाद, मेरी चिंता गायब हो गई और मुझे शांति का अनुभव हुआ, और सिरदर्द और आंखों में जलन का दर्द पूरी तरह से दूर हो गया, और मेरा पूरा शरीर हल्का हो गया। हाल्लेलुयाह। अब, मैं चंगा हो गया हूँ और मैं कानपुर, भारत में एक कारखाने में काम कर रहा हूँ। 35 वर्षों तक अंधकार की शक्ति से पीड़ित होने के बाद, प्रभु के अनुग्रह से एक ही पल में मेरा नया जन्म हो गया, और मैं एक नया जीवन जी रहा हूँ। सारा धन्यवाद और महिमा उस जीवित परमेश्वर की हो जिसने मुझे एक नया जीवन दिया।

Þeu ,d gkb&okYVst dh fctyh ds >Vds ds ckn ds iHkko ls pxkbZ ikIr dhAÞ

कमल दीप (उम्र 25, हरियाणा, भारत)

भाई कमल दीप (उम्र 25, हरियाणा, भारत) 5 अगस्त को एक निर्माण स्थल पर सरिया उठाते समय, सरिया एक हाई–वोल्टेज लाइन को छू गया और मुझे बिजली का झटका लगा। 11,000 वोल्ट के बिजली के झटके के कारण मैं बेहोश हो गया था, मेरे हाथ और पैर गंभीर रूप से जल गए थे और मुझे अस्पताल ले जाया गया। मैं 12 घंटे के बाद होश में आया, लेकिन मैं हिल नहीं पा रहा था

क्योंकि मेरे हाथ और पैर सख्त हो गए थे। जब मैं बोलता था तो मैं हकलाता था और मैं अपना मुंह भी ठीक से नहीं खोल पाता था। स्थिति और भी बदतर तब हो गई थी जब मेरे पास अस्पताल के बिल चुकाने के पैसे नही थे, इसलिए मुझे दो दिनों के बाद छुट्टी लेनी पड़ी। उसके बाद, मैंने दर्द निवारक इंजेक्शन के उपर निर्भर रहते हुए दर्दनाक दिन बिताए। इसी बीच, मैंने 7 सितंबर को यूट्यूब पर 'GCNTV HINDI' चैनल पर मानमिन प्रेयर सेंटर की निर्देशक श्रीमती बोकनिम ली की अगुवाई में 'दानिय्येल प्रार्थना सभा' में भाग लिया। मैंने पवित्र आत्मा की परिपूर्णता और पवित्र आत्मा की जलती हुई आग को महसूस किया जब मैंने अपने बीते समय के पापों का पश्चाताप करने के बाद श्रीमती बोकनिम ली की प्रार्थना ऑनलाइन ग्रहण की। उसके बाद, कुछ आश्चर्यजनक हुआ। मैं अच्छे से बोलने लग गया, और मेरा शरीर भी अच्छी तरह चलने लग गया। हाल्लेलुयाह। मैं परमेश्वर पिता को धन्यवाद और महिमा देता हूँ, जिसने

ijes'oj dh lkeF;Z ls esjs gkFkks vkSj iSjks dk ydok nwj gks x;k vkSj esjk ?kj ,d xg dyhfl;k cu x;kA

काली प्रसाद (आयु 36, गोंडा गृह कलीसिया, भारत)

2009 में मेरे हाथ और पैर अचानक लकवाग्रस्त हो गए थे। मैं अपनी पत्नी की मदद के बिना कुछ नहीं कर पाता था। मैंने कई डॉक्टरों को दिखाया और इलाज कराया, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ।

7 साल बीत गए लेकिन मेरी हालत में सुधार नहीं हुआ, इसलिए मैं 2016 में एक ज्योतिषी के पास गया और बीमारी से लड़ने के लिए एक धार्मिक समारोह आयोजित किया, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने YouTube पर बहुत से पास्टर्स के उपदेश सुने, लेकिन मुझे यह विश्वास प्राप्त नहीं हुआ कि मैं प्रार्थना से ठीक हो सकता हूँ।

मैं 2018 में जीसीएनटीवी हिंदी के संपर्क में आया और रेव्ह. जेरॉक ली का उपदेश, क्रूस का संदेश सुना और बीमारों के लिए उनकी प्रार्थना प्राप्त की। जीसीएनटीवी हिंदी के कार्यकर्ताओं ने मुझे फोन पर बहुत तसल्ली और ताकत दी और परमेश्वर के वचन के द्वारा मुझ में विश्वास उत्पन्न किया।

तब से, मैं GCNTV HINDI YouTube चैनल के माध्यम से रविवार की सभाओं में भाग ले रहा हूँ, और जब मैंने पहली बार सभा में भाग लिया था, उस सप्ताह के दौरान एक चमत्कार हुआ। मेरे हाथ और पैर का लकवा ठीक हो गया। हाल्लेलुयाह!

उसके बाद, मैंने डॉ. ली के संदेशों को ढूंढना शुरू किया और उन्हें सुना। और मैंने लोगों को उस परमेश्वर के बारे में बताया जिससे मैं मिला था।

जब लोगों ने सुना कि मैं ठीक हो गया हूँ तो आसपास के गांवों के लोग मुझसे मिलने आए और मैंने उनका परिचय जीसीएनटीवी हिंदी और रेव्ह. डॉ. जेरॉक ली से कराया। जैसे–जैसे लोग इकट्ठे होते गए, हम में से 30 नियमित रूप से एक साथ आराधना करने आते गए, और एक गृह कलीसिया शुरू हो गई।

लेकिन फरवरी 2021 में मेरे हाथ और पैर फिर से

लकवाग्रस्त हो गए। मैंने पीछे मुड़कर देखा और विचार किया कि ऐसा दोबारा से क्यों हुआ?

मैंने फिर से 2020 में डॉ. सुजिन ली के द्वारा संचालित, ईश्वरीय चंगाई सभा में भाग लिया और पश्चाताप किया और उनसे सामर्थ्य के रूमाल के द्वारा जिस पर डॉ. जेरॉक ली ने प्रार्थना की थी, सच्चाई से प्रार्थना ग्रहण की। (प्रेरितों 19:11–12) उसके बाद, लकवे से मुझे राहत मिली, लेकिन दर्द अभी भी बना हुआ था।

मैंने आगामी ऑनलाइन ईश्वरीय चंगाई सभा में पूरी तरह से चंगा होने के लिए अपने आप को अच्छी तरह से जाँचा और प्रार्थना की। 14 मार्च को जब, वक्ता श्रीमती बोकनीम ली ने सामर्थ्य के रुमाल से प्रार्थना की, तो मेरा बचा हुआ दर्द पूरी तरह से दूर हो गया।

इस समय के दौरान, मैं बहुत आभारी था कि मैं अपनी कमियों को ढूंढ पाया और पिता परमेश्वर के प्रेम को महसूस कर पाया, जो चाहता है कि मैं उनमें बना रहूँ। सारा धन्यवाद और महिमा प्रेम के पिता, परमेश्वर को मिले, जो मुझे हर समय केवल अच्छी वस्तुऐं देता है।

GCNTV HINDI
अब आप डा. जेरॉक ली के संदेशों को सुनने हेतू हमारें चैनल पर जाएं।
Youtube/gcntvhindi
100 से अधिक भाषाओं में डा. जेरॉक ली के संदेशों को प्राप्त करें
क्रूस का संदेश, प्रकाशितवाक्य स्वर्ग, नर्क, भलाई, आशीषें इत्यादि
Visit करें : www.jaerocklee.com ; www.manmin.in
संपर्क करें
99716 24368

Manmin News HINDI GCNTV HINDI

Ekkufeu Lkekpkj

अकं 48, वर्ष 3 22 Feb 2022 पेज 1

tc rd lalkj Hkj ds lHkh yksxks ds fy, ijes'oj dk çkoèkku iwjk ugÈ gks tkrk

pp dh 39oÈ o"kxkB ij ijeŪoj dh efgek gks

मानमिन सेंट्रल चर्च, ने अपनी 39 वीं वर्षगांठ मनाई, जिसे 10 अक्टूबर, 1982 को 'उठ प्रकाशमान हो' के सिद्धांत के तहत स्थापित किया गया था।

25 जुलाई 1982 को, 33 वर्ग मीटर से कम के भवन में 4 बच्चों सहित 13 सदस्यों के साथ कलीसिया को स्थापित किया गया और उस वर्ष 10 अक्टूबर को स्थापन सभा अर्पण की गई।

तब से, यह कलीसिया, जीवन के वचन और सीनियर पास्टर डॉ. जेरॉक ली के द्वारा प्रकट सामर्थ के विस्फोटक कार्यों के द्वारा दुनिया भर में अनगिनत आत्माओं को प्रभु की बाहों में ले जा रही है।

शुरुआती दिनों से ही चिन्ह, चमत्कार और सामर्थ्य के अनगिनत कार्य प्रगट हो रहे थे और कलीसिया में शुरुआती कलीसियाओं के समान तेजी से जागृति हो रही थी। फरवरी 1991 में पंजीकृत सदस्यों की संख्या 10,000 से अधिक हो गई थी।

उसी वर्ष जुलाई में, कोरिया के यूनाइटेड होलीनेस चर्च की महासभा का गठन किया गया।

बाद में, सीनियर पास्टर डॉ. जेरॉक ली ने विभिन्न मसीही कार्यक्रमों में भाग लेकर राष्ट्र में सुसमाचार प्रचार करने में अगुवाई की जैसे कि '1992 में विश्व होलीफिकेशन क्रूसेड' के सह–अध्यक्ष के रूप में और 1995 में कोरिया के स्वतंत्रता दिवस की 50वीं वर्षगांठ में क्रूसेड 'शांति पुनः एकीकरण' के प्रशासनिक अध्यक्ष के रूप में इत्यादि।

2000 के दशक में, विदेशी मिशन सक्रिय रूप से शुरू हुए और हमारी कलीसिया ने विदेशों में संयुक्त क्रूसेड का आयोजन किया, जैसे कि; यूगांडा, पाकिस्तान, केन्या, फिलीपीन्स, होंडूरस, भारत, रूस, जर्मनी, पेरू, लोकतांत्रिक गणराज्य कोंगो, संयुक्त राज्य अमेरिका, एस्टोनिया इत्यादि और सामर्थ के विस्फोटक कार्यों के साथ सृष्टिकर्ता परमेश्वर और यीशु मसीह का प्रचार किया।

फलस्वरूप, अनगिनत आत्माओं को चंगा किया गया और बचाया गया।

अब भी परमेश्वर, उस रूमाल के द्वारा, जिस पर डॉ. जेरॉक ली ने प्रार्थना की थी, समय और दूरी को पार करते हुए सामर्थ के कार्यों को दिखाकर प्रमाणित कर रहा है कि वह इस कलीसिया के साथ है (प्रेरितों के काम 19:11–12)।

इसके अलावा, डॉ. जेरॉक ली के संदेश, जो उन्होंने अनगिनत प्रार्थनाओं और उपवासों के माध्यम से पवित्र आत्मा की प्रेरणा में प्राप्त किए, का प्रचार जीसीएन टीवी, पुस्तकों और यूट्यूब के माध्यम से करने के द्वारा, अंत के समय में आत्माओं को बचाने के साथ–साथ यह कलीसिया दुनिया भर में मसीही लोगों के आत्मिक बदलाव और उन्नति में अगुवाई कर रही है।

विशेषकर, प्रकाशन मिशन को सक्रिय रूप से किया जा रहा है।

डॉ. जेरॉक ली के प्रतिनिधिक संदेश, 'क्रूस का संदेश' को 61 भाषाओं में प्रकाशित किया गया है, और वर्तमान में, 112 मसीही गाइडबुक और 654 अनुवादित पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं, और साथ ही मानमिन समाचार प्रकाशित किया जा रहा है।

इसके अलावा, ई–पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं और Amazon Kindle, Apple iBooks and Google Books के माध्यम से लगातार बेची जा रही हैं।

ग्रैंड सैंचुरी के निर्माण के माध्यम से अंतिम दिनों के प्रावधान को पूरा करने के लिए जो कि अनगिनत आत्माओं को उद्धार के मार्ग पर अगुवाई करना है, विश्वासयोग्य परमेश्वर, मानमिन को आत्मिक योद्धा बनने के लिए अगुवाई कर रहा हैं जिनके पास सच्चा हृदय और विश्वास का निश्चय हो।

हम त्रिएक परमेश्वर को सारा धन्यवाद और महिमा देते हैं, जो पूरी तरह से पुनः सृष्टि की सामर्थ्य और पवित्रता के सुसमाचार के माध्यम से दुनिया भर के सभी लोगों के लिए उद्धार के प्रावधान को पूरा करेंगे।

चंगा करने वाला परमेश्वर

कि यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा का वचन तन मन से सुने,
और जो उसकी दृष्टि में ठीक है वही करे,
और उसकी आज्ञाओं पर कान लगाए,
और उसकी सब विधियों को माने, तो जितने रोग
मैं ने मिस्रियों पर भेजा है उन में से एक भी तुझ पर न भेजूंगा;
क्योंकि मैं तुम्हारा चंगा करने वाला यहोवा हूँ। निर्गमन 15:26

सीनियर पास्टर रेव्ह. जेरॉक ली

प्रेमी परमेश्वर चाहता हैं कि सभी लोग हर प्रकार की बीमारियों से दूर रहें और अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लें। उसने अपने एकलौते पुत्र को इस पृथ्वी पर भेजा और सभी के लिए विश्वास के द्वारा चंगाई पाने का मार्ग खोल दिया (1 पतरस 2:24)। प्रत्येक बीमारी किसी न किसी कारण से उत्पन्न होती है, बिना कारण के कुछ नही होता। इसलिए, यदि आप कारणों का पता लगाते हैं और उनका समाधान करते हैं, तो आप जल्द ही चंगाई प्राप्त करेंगे।

1. बीमारियों के सामान्य कारण

1) अपने ही पाप का फल।

निर्गमन 15:26 में लिखा है कि 'जितने रोग मैं ने मिस्रियों पर भेजे है, यहाँ पर पृथ्वीभर में पाए जाने वाले सभी प्रकार के रोग शामिल हैं। पवित्रशास्त्र परमेश्वर के न्याय और प्रतिज्ञा को दर्शाता है कि यदि हम उसके वचन के अनुसार जीते हैं, तो वह हमें सभी प्रकार की बीमारियों से बचाएगा। इस प्रकार, यदि आपको किसी प्रकार की बीमारी है, तो आपको जाँचने की ज़रूरत है कि कुछ ऐसा तो नहीं है जिसका आप परमेश्वर के वचन के अनुसार पालन नही करते हैं।

इसके अलावा, चंगाई प्राप्त करने के लिए आपको यह निध ारित करना होगा कि आप क्यों बीमारियों का सामना कर रहे है? दूसरे शब्दों में, आपको यह पता लगाना चाहिए कि आपने जो किया वह परमेश्वर की इच्छा के अनुसार नहीं था। जब आप अपने मार्गों से फिर जाएंगे और उसकी इच्छा के अनुसार कार्य करेंगे, तो आप चंगे हो जाएंगे। चंगाई प्राप्त करने के बाद आपको दोबारा ऐसे पाप नहीं करने चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि अगर आप दोबारा पाप करते हैं तो आपके ऊपर इससे भी कोई भारी विपत्ति आ सकती है। (यूहन्ना 5:14)

2) शारीरिक नियमों के उल्लंघन के कारण

कुछ लोग पाप न करते हुए भी कुछ बीमारियों से पीड़ित होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे शारीरिक क्रमों का पालन नही करते हैं। उदाहरण के लिए, पेट की समस्याऐं अनियमित खाने या अधिक खाने से हो सकती हैं। धूम्रपान या शराब पीने से कैंसर या लीवर की बीमारी हो सकती है। आपको बीमारियां हो सकती हैं क्योंकि आप अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखते हैं। यह सब आपकी लापरवाही की वजह से होता है। अर्थात्, आप अपने शरीर का ध्यान नहीं रखते हैं जो परमेश्वर ने आपको दिया है, और आप शरीर को प्रभावित करने वाले शारीरिक नियमों को तोड़ते हैं।

3) न्यूरोसिस और अन्य मानसिक विकारों के कारण

आधुनिक समाज में बहुत से लोग गंभीर तनाव में रहते हैं। वे घबराहट, दबाव, चिंता और थकान जैसे मानसिक रोग से पीड़ित रहते हैं जो शारीरिक बीमारियों को प्रेरित कर सकती हैं। जब हम वचन के अनुसार दूसरों को क्षमा करते है, समझते है और प्रेम करते हैं, तब हम ऐसी मानसिक बीमारियों से मुक्त हो जाएंगे। दूसरे शब्दों में, यदि हमारे हृदय में घृणा या क्रोध नहीं होगा, तो हमारी भावनाओं में हलचल नहीं होगी, बल्कि हम सभी प्रकार की मानसिक बीमारियों से मुक्त हो जाएंगे। इसके विपरीत, यदि हमारे पास अभी भी बुराई है, तो हमारी भावनाएं उत्तेजित होंगी और इससे मानसिक समस्याऐं और यहां तक कि शारीरिक बीमारियां भी हो सकती हैं।

4) शत्रु दुष्ट के कार्यों का परिणाम

हालॉकि वे चर्च जाते हैं, फिर भी कुछ विश्वासी दुष्टात्माओं से ग्रसित होते है या उनके नियंत्रण में होते हैं और फिर बीमार पड़ जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि, वे कहते तो हैं कि वे परमेश्वर में विश्वास करते हैं, लेकिन परमेश्वर के न्याय की सीमा से परे जाकर बुराई करते हैं। तौभी, जब वो पूरी तरह से पश्चाताप करेंगे और अपने पापों से फिरेंगे, तो परमेश्वर उन्हें चंगा करेगा और उन्हें दुष्टात्माओं के कार्यों से आजाद करेगा।

यदि मरीज़ स्वस्थ मानसिक अवस्था में न हो और अपने लिए पश्चाताप करने में असमर्थ हैं, तो उसके परिवार के सदस्यों को एकजुट होकर उसकी ओर से पश्चाताप करना चाहिए और विश्वास के साथ बीमारों के लिए प्रार्थना ग्रहण करनी चाहिए। भले ही वे उन मानसिक विकारों से पीड़ित रहे हो और उन बीमारियों से जो दुष्ट उन पर ले आया क्योंकि उन्होंने परमेश्वर की इच्छा को त्याग दिया था और खुद को सत्य से दूर कर लिया था, वे पूरी तरह से चंगे और मुक्त हो जाएंगे यदि वे पूरी तरह से पश्चाताप करते हैं और फिर जाते हैं।

2. बीमारियों के अन्य विशेष कारण

1) जब कोई अपने साथ आत्मिक बंधन के कारण दूसरों के पापों के दंड का भुगतान करता है।

जैसा कि यिर्मयाह 31:30 में लिखा गया है, क्योंकि जो कोई जंगली दाख खाए उसी के दांत खट्टे हो जाएंगे, और हर एक मनुष्य अपने ही अधर्म के कारण मारा जाएगा।" और यहेजकेल 18:20 में, जो प्राणी पाप करे वही मरेगा, न तो पुत्र पिता के अधर्म का भार उठाएगा और न पिता पुत्र का; धर्मी को अपने ही धर्म का फल, और दुष्ट को अपनी ही दुष्टता का फल मिलेगा। प्रत्येक व्यक्ति का न्याय और उसको दंड मुख्य रूप से, दूसरों के पापों के कारण नहीं बल्कि उसके खुद के ही पापों के कारण दिया जाता है।

लेकिन कुछ ऐसे दुर्लभ मामले हैं जहां एक विश्वासी बीमार पड़ जाता है क्योंकि वह आत्मिक बंधन के साथ परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आत्मा में बंधा होता है। ऐसे मामले आमतौर पर पति–पत्नी के बीच या बच्चों और माता–पिता के बीच होते हैं, लेकिन सगे भाई बहन भी ऐसे होते हैं जो समय–समय पर आत्मिक बंधन से बंधे होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब परिवार के एक सदस्य ने पाप किया है, तो दूसरा सदस्य उस पाप करने वाले सदस्य को परमेश्वर को नहीं सौंपता है, बल्कि एक निश्चित प्रावधान या सशर्त स्थिति का प्रस्ताव रखते हुए परमेश्वर से प्रार्थना करता है। इसकी वजह से उनके बीच एक आत्मिक बंधन बन जाता है और वह बीमार पड़ जाता है क्योंकि उसे दूसरे के पाप के दंड का भुगतान करना पड़ता है।

2) पूर्वजों की अत्यंत मूर्तिपूजा के कारण

जब पूर्वजों ने भूतों के आगे विनतियाँ की हो और कई पीढ़ियों तक अत्यधिक मूर्ति पूजा की हो, और आगे की पीढ़ियों के सदस्य भी अपने पापों के द्वारा लंबे समय तक एकत्र उस बुराई को और अधिक बढ़ा देते हैं तो परिवार के सदस्य पर श्राप आ पड़ता है। ऐसे परिवारों में बच्चे आमतौर पर असाध्य रोगों या दुर्बलताओं के साथ पैदा होते हैं और परिवार के सदस्यों को लगातार कष्टों और आजमाइशों का सामना करना पड़ता हैं और बच्चे शराब या नशे के आदी और मानसिक रोगी बन जाते हैं।

जब वे परमेश्वर पर विश्वास करने वाले होते हैं, तो दुष्ट आत्माऐं उन्हें परमेश्वर में विश्वास करने में बाधा डालती हैं। लेकिन मसीह में एक विश्वासयोग्य विश्वासी, भले ही एक श्रापित परिवार में पैदा हुआ हो लेकिन उन श्रापों से मुक्त हो सकता है जो उसके पूर्वजों की अत्यधिक मूर्ति पूजा के कारण आ पड़े थे। परमेश्वर का न्याय हर किसी के जीवन पर सटीक रूप से लागू होता है, लेकिन वह प्रेम को न्याय के आगे रखता है। यदि आपने अपने हृदय को पूरी तरह से आत्मा में जोत लिया है और संपूर्ण आत्मा के स्तर को प्राप्त कर लिया है, तो शैतान आपको बिल्कुल भी प्रभावित नहीं कर सकता है और आपका आत्मिक बंधन से कोई लेना–देना नहीं होगा।

प्रिय भाइयों और बहनों, यीशु ने स्वयं हमारी दुर्बलताओं को सह लिया और हमारी बीमारियों को कोड़े खाकर और अपना लहू बहाकर दूर किया। यही कारण है कि यीशु मसीह में विश्वासियों का बीमारियों से ग्रस्त होने का कोई कारण नहीं है (मत्ती 8:17)। मुझे आशा है कि आप चंगाई और उत्तर देने वाले परमेश्वर से मिलेंगे और प्रभु की सामर्थ्य से अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन का आनंद लेंगे।

विश्वास का अंगीकार

1. मानमिन सैंट्रल चर्च विश्वास करता है कि बाइबल परमेश्वर का दिया गया वचन है जो सिद्ध और दोषरहित है।
2. मानमिन सैंट्रल चर्च एकता में विश्वास करता है और त्रिएक परमेश्वरः पवित्र पिता परमेश्वर, पवित्र पुत्र परमेश्वर और पवित्रआत्मा परमेश्वर, के कार्य में विश्वास करता है,
3. मानमिन सैंट्रल चर्च विश्वास करता है कि केवल यीशु मसीह के लहू के द्वारा हमें हमारे पापों से क्षमा मिलती है।
4. मानमिन सैंट्रल चर्च यीशु मसीह के पुनरूत्थान और स्वर्गारोहण, उसके दूसरे आगमन, एक हजार वर्ष का राज्य और अनन्त स्वर्ग, पर विश्वास करता है
5. मानमिन सैंट्रल चर्च के सदस्य हर बार जब एकत्र होते हैं वे अपने विश्वास का अंगीकार "प्रेरितों के विश्वास" के द्वारा करते है और उसकी धारण के मूल तत्व के प्रतिशब्द पर विश्वास करते है।

"(परमेश्वर) वह तो आप ही सब को जीवन और स्वास और सब कुछ देता है।" (प्रेरितों के काम 17:25)
"और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिस के द्वारा हम उद्धार पा सकें।" (प्रेरितों के काम 4:12)

सीधा प्रसारण समय सारणी

gcntvhindi Youtube Live Worship

रविवार्य आराधना (1) : प्रातः 8 बजे
रविवार्य आराधना (2) : प्रातः 11:30 बजे
षुक्रवार आराधना : षामः 7:30 बजे
दानिय्येल प्रार्थना प्रतिदिनः षामः 5:30 बजे

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें +91 99716 24368

Þije'oj] ykbykt chekjh ls ihfMr cPph dk Bhd dj jgk g!ß

पिंकी (उम्र 40, झारखंड, भारत)

2018 में, मेरी बेटी महिमा को जब वह 9 महीने की थी, निमोनिया के कारण आपातकालीन कक्ष में ले जाया गया। वह अस्पताल में 10 दिनों में निमोनिया से ठीक हो गई थी, लेकिन तेज बुखार के नतीज़न उसका दिमाग क्षतिग्रस्त हो गया। डॉक्टर ने कह दिया कि अब और कोई इलाज संभव नहीं है, केवल शरीर का उपचार ही हो सकता है।

उसने धीरे–धीरे अपनी ताकत खो दी और कमजोर हो गई। वह 3 साल की हो गई लेकिन वो न तो बैठ सकती थी और न ही चल सकती थी। इसके अलावा, वह मुझे कोई प्रतिकिया भी नही देती थी। एक माँ होकर भी मैं कुछ नहीं कर सकती थी।

मैं YouTube पर बीमारों के लिए प्रार्थना को ढूंढ रही थी क्योंकि मैं उसके लिए प्रार्थना प्राप्त करना चाहती थी। डॉ जेरॉक ली की "बीमारों के लिए प्रार्थना" मेरी आँखों के सामने आई और मैंने उनकी प्रार्थना ग्रहण करने के बाद GCNTV HINDI कार्यालय में फोन किया। वहाँ के कार्यकर्ता ने दयालुता के साथ मुझ परामर्श दिया ताकि मैं परमेश्वर की इच्छा को जान सकूँ और उत्तर पा सकूँ।

बाद में, मैं YouTube चैनल GCNTV HINDI के माध्यम से आराधना करने लगी और रेव्ह. ली के प्रवचन सुनने लगी। पहले तो वे मुझे समझ नहीं आ रहे थे, लेकिन जैसे–जैसे वे धीरे–धीरे समझ में आने लगे तो मैंने परमेश्वर की इच्छा का एहसास किया। "कू्स का संदेश" नामक उपदेशों को दो बार सुनते हुए जब मैंने प्रभु के प्रेम को महसूस किया, तो मैंने अपने आप में सोचा कि मेरी बेटी ठीक हो सकती है।

वास्तव में, मैं एक मसीही विश्वासी थी, लेकिन मेरा जीवन, नया जीवन नही था क्योंकि मैं परमेश्वर के वचन के अनुसार अपना जीवन व्यतीत नही करती थी। मेरे परिवार में अभी भी विवाद थे और हमारे पास शांति नहीं थी। हालांकि, डॉ. जेरॉक ली के उपदेशों को सुनकर, मैंने सीखा कि अंधकार से ज्योति की ओर कैसे जाना है, आत्मिक प्रेम क्या है, और चंगा होने के लिए क्या करना है।

फिर, मैंने सुना कि ईश्वरीय चंगाई सभा का ऑनलाइन आयोजन किया जा रहा है। मैं इसे उत्तर प्राप्त करने का अवसर जानकर बहुत खुश थी और मैंने 3 दिनों तक उपवास किया और पूरे मन से इसके लिए तैयारी की।

मैंने रविवार 14 मार्च को GCNTV HINDI पर प्रसारित सभा में भाग लिया। उस दिन मेरी बेटी को सुबह से ही बुखार था। जब श्रीमती बोकनीम ली ने सामर्थ्य के रूमाल के द्वारा बीमारों के लिए प्रार्थना की (प्रेरितों के काम 19:11–12) तब वह मेरी बाहों में सो रही थी। प्रार्थना समाप्त होने पर उसका बुखार उतर गया। और वह जगी और अपने हाथ–पैर हिलाने लगी। यह देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।

अगले दिन मैंने अपनी बेटी में कई बदलाव देखें। उसके हाथों और पैरों के संचालन में कई दिक्कतें थी, इसलिए वह उन्हें स्वतंत्र रूप से नहीं चला पाती थी। लेकिन उस दिन मैंने उसे अपने हाथों और पैरों को बहुत अच्छे से चलाते हुए देखा। वो मुझे बिल्कुल भी जवाब नही दे पाती थी, परन्तु उसने मेरी तरफ देखा, अपना हाथ मेरी ओर बढ़ाया और स्वयं से खड़े होने की कोशिश की और हँसने लगी। तब से वह सक्रिय हो गई हैं। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है, और यह एक बहुत बड़ा सुधार है।

इससे मेरा विश्वास बढ़ा है। जैसे जैसे मेरा विश्वास बढ़ता है, मुझे विश्वास है कि मेरी बेटी पूरी तरह से चलने में सक्षम हो जाएगी। इसलिए मुझे परमेश्वर का वचन सुनना और उपवास और प्रार्थना के द्वारा अपने हृदय को पवित्र करना अच्छा लगता है। सारा धन्यवाद और महिमा चंगा करने वाले और सर्वशक्तिमान परमेश्वर को मिले!

SURITECH
Hospital & Research Centre Ltd.
DEPARTMENT OF RADIOLOGY & IMAGING

NAME BABY MAHIMA ...
AGE 9 MONTH / F
REF BY DR. AMARJEET ...
APR 13, 18

MRI SCREENING OF BRAIN

PROTOCOL
MRI of the brain was performed in multiple planes using T1 weighted ... echo, T2 weighted fast spine echo and fast FLAIR sequences

OBSERVATION
- Mild encephalomalacic changes are seen involving bilateral frontoparietal lobes and bilateral parietooccipital lobes (R>L) with exvacuodilatation of adjacent ventricle, cistern and sulci. Moderate thinning of corpus callosum noted
- Brainstem and cerebellum is normal
- No evidence of intracranial hemorrhage noted
- No evidence of SOL noted
- No evidence of midline shift noted
- The cranio vertebral junction is unremarkable

IMPRESSION
- Above findings are suggestive of HIE sequalae.

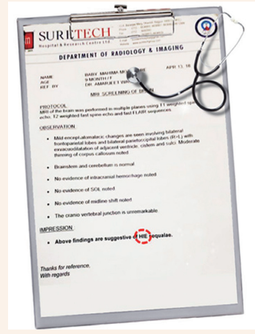

Thanks for reference,
With regards

एमआरआई रीडिंग रिपोर्ट –
हाइपोक्सिक क्षति के कारण सेरेब्रल डिजनरेशन

Þ19 o"kksa ls fexÊ dk y{k.k xk;c gks x,Aß

धनपत सिंह (उम्र 40, दिल्ली मानमिन चर्च)

मुझे 2001 से मिर्गी के लक्षण होने लगे। मुख्य रूप से रात के दौरान मेरा शरीर ऐंठ जाता था और मुझे मिर्गी का दौरा पड़ता था और मुझे 6 या 7 बार दौरे पड़ते थे।

मुझे जो दर्द होता था वह ऐसा था जैसे किसी ने मेरे दिमाग में बम डाल दिया हो। एक दिन ऐंठन के दौरान मैंने अपनी जीभ काट ली और मेरे मुंह से खून निकल गया। जीभ कटने के कारण मैं खाना भी खा नहीं पाया और मुझे शरीर में दर्द और बुखार हो गया। मेरी बीमारी ने मुझे और मेरे परिवार को थका दिया था।

मैं कई डॉक्टरों से मिला लेकिन वे मुझे ठीक नहीं कर सके। मैं कई पारंपरिक जड़ी–बूटियाँ लेता था और ओझाओं पर निर्भर रहता था।

मैं अस्थायी रूप से ठीक तो हो जाता था लेकिन जल्द ही फिर से ऐंठन शुरू हो जाती थी। मेरे लक्षण ा ठीक नहीं हुए और मुझे हर दिन दवा लेनी पड़ती थी।

इसी बीच, मैं अपने दोस्त की अगुवाई में 2016 में दिल्ली मानमिन चर्च गया। मैं संदेश सुनकर प्रभावित हुआ और तब से मैं चर्च जाता रहा। और मैंने सीखा कि पाप क्या है, कैसे प्रार्थना करनी है, और कैसे एक मसीही जीवन व्यतीत करना है। और मुझे विश्वास था कि जब मैं परमेश्वर के वचन के अनुसार जीवन व्यतीत करूंगा तो मैं चंगा हो सकता हूँ। और मैंने दवा लेना छोड़ दिया, लेकिन जल्द ही मुझे फिर से दवाऐं लेनी पड़ी क्योंकि मेरी हालत खराब हो गई थी।

सितंबर 2019 में जब मैंने दानिय्येल प्रार्थना सभा में प्रार्थना करना शुरू किया तो मुझे मन की शांति मिली। और मुझे पता चला कि 2 महीने बाद पास्टर मियोंग ली दिल्ली मानमिन चर्च की सालगिरह मनाने आएंगी। मैंने अपने आप को ठीक होने के लिए तैयार किया और दवा लेना बंद कर दिया।

मैंने फिर से "कू्स का संदेश" नामक उपदेशों को सुना और पापों से पश्चाताप किया। मैंने चर्च की सालगिरह पर खुशी–खुशी कार्य किया।

आखिरकार नवंबर में रविवार को 7वीं सालगिरह का दिन आ पहुँचा। पास्टर ली ने सामर्थ्य के रूमाल के द्वारा मेरे लिए प्रार्थना की (प्रेरितों के काम 19:11–12)। उसके बाद मेरे साथ एक चमत्कार हुआ। मेरे मिर्गी के लक्षण गायब हो गए। तब से, मुझे न ही तो कोई ऐंठन हुई है और न ही मैंने दवाएं ली है। परमेश्वर ने मुझे पूरी तरह से ठीक कर दिया। हाल्लेलुयाह!

मानमिन को धन्यवाद कि मेरी जिंदगी बदल गई है। मैं, सियोल में मानमिन सेंट्रल चर्च के सीनियर पास्टर रेव्ह. जेरॉक ली द्वारा दिए गए उपदेशों को सुनता हूँ और मैं एक ऐसा व्यक्ति बन गया हूँ जो हृदय से परमेश्वर से प्रार्थना करता है और मेरा परिवार वापस खुशियों से भर गया है। सारा धन्यवाद और महिमा पिता परमेश्वर को मिलें!